डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश
DR. A.P.J. ABDUL KALAM TECHNICAL UNIVERSITY
सेक्टर–11, जानकीपुरम विस्तार योजना, लखनऊ–226031

पत्रांकः ए0के0टी0यू0 / कुस0का0 / स्था0 / 2022 / 18075 **दिनांकः** 13 दिसम्बर, 2022

सेवा में,

निदेशक / प्राचार्य
विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त संस्थान

विषयः विद्यालयों एवं कालेजो के छात्रों को साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बंध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एंव पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के सम्बंध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषय के सम्बंध में शासन के पत्र संख्याः 240223 / 2022–16–1099 / 21 / 2022 दिनांक 25.11.2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

उक्त के सन्दर्भ में अवगत कराना है कि शासन के उपरोक्त पत्र में उल्लिखित शासन के पत्र संख्याः 225449 / 2022 16–1099 / 21 / 2022 दिनांक 17.10.2022 के साथ संलग्न भारत सरकार के अर्धशा0 पत्र संख्या–22003 / 26 / 2020–14C दिनांक 12.09.2022 के माध्यम से साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बंध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एंव लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूक फैलाने के सम्बंध मे आवश्यक कार्यवाही कराते हुए कृत कार्यवाही का विवरण उपलब्ध कराए जाने की अपेक्षा की गयी है।

अतः कृपया उक्त से अवगत होते हुए शासन के पत्र में की गयी अपेक्षानुसार कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से विश्वविद्यालय को अवगत करान का कष्ट करें, जिससें तद्नुसार शासन को अवगत कराया जा सकें।

संलग्नः यथोक्त।

भवदीय,

7/12/22

(डॉ0 आर0 के0 सिंह)
उप कुलसचिव

प्रतिलिपिः– श्रीमती शुभी पाण्डेय, प्रोग्रामर, ए0के0टी0यू0 लखनऊ को इस आशय से प्रेषित है की उक्त सूचना संस्थानो से उपलब्ध कराने हेतु लिंक उपलब्ध करवाने का कष्ट करें।

(डॉ0 आर0 के0 सिंह)
उप कुलसचिव

प्रेषक,

प्रभाकर चन्द्र मिश्र,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. कुलसचिव, ए0 के0 टी0 यू0, लखनऊ।
2. कुलसचिव, एम0 एम0 एम0 यू0 टी0, गोरखपुर।
3. कुलसचिव, एच0 बी0 टी0 यू0, कानपुर।
4. निदेशक, यू0 पी0 टी0 टी0 आई0, कानपुर।
5. निदेशक, के0 एन0 आई0 टी0, सुल्तानपुर।
6. निदेशक, बी0 आई0 ई0 टी0, झाँसी।
7. निदेशक, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, आजमगढ़/अम्बेडकरनगर/बाँदा/बिजनौर/सोनभद्र/कन्नौज/मैनपुरी।

DR N.A. & 25/11/22 Reg (Acty)

प्राविधिक शिक्षा अनुभाग-1 **लखनऊ:दिनांक 25 नवम्बर, 2022**

विषय- विद्यालयों एवं कालेजों के छात्रों को साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बंध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या-225449/2022 16-1099/21/2022 दिनांक 17.10.2022 के साथ संलग्न भारत सरकार के अर्धशा0 पत्र संख्या-22003/26/2020-14C दिनांक 12.09.2022 (छायाप्रति संलग्न) का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बंध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के सम्बंध में आवश्यक कार्यवाही कराते हुये इस सम्बंध में कृत कार्यवाही का विवरण शासन को शीघ्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था, किन्तु सूचना अप्राप्त है।

2. इस सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि, भारत सरकार के उक्त पत्र में की गयी अपेक्षानुसार कार्यवाही पूर्ण कराकर भारत सरकार एवं शासन को शीघ्र अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक- यथोक्त।

भवदीय,

(प्रभाकर चन्द्र मिश्र)

7035 29/11/22

AR (Estt)

DR 29/11/22 4279

SA एच.पी.वर्मा

30/11/22 AR

30/11/22

4500 01-12-22

I/240223/2022

संयुक्त सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव-

प्रतिलिपि प्राविधिक शिक्षा अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन को इस आशय से प्रेषित कि भारत सरकार के अर्धशा0 पत्र संख्या-22003/26/2020-14C दिनांक 12.09.2022 एवं गृह गोपन अनुभाग-8, उ0प्र0 शासन के अर्धशा0 पत्र संख्या-108/25-8-2022-भा0स0-05/2022 दिनांक 11.11.2022 में की गयी अपेक्षानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

आज्ञा से,

(प्रभाकर चन्द्र मिश्र)
संयुक्त सचिव।

Signed by प्रभाकर चन्द्र मिश्र
Date: 25-11-2022 14:25:35
Reason: Approved

प्रेषक,

प्रभाकर चन्द्र मिश्र,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. कुलसचिव, ए0 के0 टी0 यू0, लखनऊ।
2. कुलसचिव, एम0 एम0 एम0 यू0 टी0, गोरखपुर ।
3. कुलसचिव, एच0 बी0 टी0 यू0, कानपुर।
4. निदेशक, यू0 पी0 टी0 टी0 आई0, कानपुर।
5. निदेशक, के0 एन0 आई0 टी0, सुल्तानपुर।
6. निदेशक, बी0 आई0 ई0 टी0, झाँसी।
7. निदेशक, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, आजमगढ़/अम्बेडकरनगर/बाँदा/बिजनौर/सोनभद्र/कन्नौज/मैनपुरी।

प्राविधिक शिक्षा अनुभाग-1 **लखनऊ:दिनांक 17 अक्टूबर, 2022**

विषय- विद्यालयों एवं कालेजों के छात्रों को साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बंध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक गृह (गोपन) अनुभाग-8 का पत्र के पत्र संख्या भा0स0-22/25-8-2022-भा0स0-05/2022 दिनांक 29.09.2022 की छायाप्रति प्रेषित करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि कृपया साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के संबंध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के सम्बंध में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कराते हुये इस सम्बंध में कृत कार्यवाही का विवरण शासन को शीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक- यथोक्त।

(ई-मेल से प्रेषित)

Signed by प्रभाकर चन्द्र मिश्र
Date: 14-10-2022 14:43:50
Reason: Approved.

2233369/2022/ -1

संख्या 2248 सोलह-प्रा०-शि०-1-2022

संख्याः भा0स0–22/25–8–2022–भा0स0–05/2022

प्रेषक,

आनन्द प्रकाश,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

(1) अपर मुख्य सचिव,
माध्यमिक/बेसिक/उच्च/प्राविधिक शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

(2) अपर पुलिस महानिदेशक,
साइबर अपराध,
उ0प्र0 लखनऊ।

संख्या 3533 प्रमुख सचिव/व्या.शि.कौ.वि./प्रा.शि./2022

गृह (गोपन) अनुभाग–8 लखनऊ : दिनांक : 29 सितम्बर, 2022

विषयः विद्यालयों एवं कालेजों के छात्रों को साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बन्ध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के सम्बन्ध में

VS(K)/(D)
Take w/a
07.10.22

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र सं0–22003/26/2020–आई4सी दिनांक 12.09.2022 की प्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न पत्र में की गई अपेक्षानुसार विद्यालयों एवं कालेजों के छात्रों को साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बन्ध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही कराते हुए इस सम्बन्ध में कृत कार्यवाही का विवरण गोपन विभाग को अविलम्ब उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

(सुभाष चन्द्र शर्मा)
प्रमुख सचिव
प्राविधिक शिक्षा व्यावसायिक शिक्षा तथा कौशल विकास विभाग
उत्तर प्रदेश शासन

संलग्नक–यथोपरि।

1276/VSTE/2022
J.S.
07/10/2022

SO-1/2
7/10/2022

भवदीय,

(आनन्द प्रकाश)
अनु सचिव।

10/10/22

ander-G.O-20-psk-P

2238369/2022/ -1

आ० स० - 22/25-08-2022 1308.../एसीएस/सीएस/2022

CHANDRAKER BHARTI, IAS
Additional Secretary (CIS)

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
गृह मंत्रालय
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
NORTH BLOCK
NEW DELHI - 110001

No. 25324/MS/GI/2022

सत्यमेव जयते

DO. No: 22003/26/2020-I4C

12th September, 2022.

Dear Sir / Madam,

As you may be aware, the Ministry of Home Affairs has launched the Indian Cyber Crime Coordination Centre (I4C) to strengthen the capabilities of Law Enforcement Agencies (LEAs) and to improve coordination among the LEAs and other agencies. MHA has also launched the National Cyber Crime Reporting Portal (NCRP) to facilitate online reporting of cyber crime incidents.

2. One of the key actions for preventing cyber crime is to generate sustained awareness among public, especially among the students of schools and colleges on **'Cyber Hygiene'**. It is suggested that, for continuous dissemination of cyber hygiene and mass awareness for prevention of cyber crime, **'Cyber Clubs'** may be set up in all schools and colleges, so as to engage students for regular participation in their learnings and along with taking necessary safeguards in cyber space. The activities in cyber clubs may include organizing workshops, seminars, interactive sessions, creative sessions like poster making / slogan writing / short stories, etc, the details of which are enclosed as **Annexure-I.**

3. Further, it is also proposed that a reward scheme for giving **'Scholar Badge'** to the meritorious students involved in dissemination of information for prevention of cyber crime may also be explored for commencement in all the schools of CBSE and State Boards.

4. Budgetary provisions to carry out the activities in cyber clubs and reward scheme for Scholar Badge may be met from the respective budgets of the States/UTs concerned. Further, States/UTs are also requested to follow social media handles of I4C, MHA, the details of which are enclosed as **Annexure-II** for receiving regular cyber safety tips.

5. I would be grateful if an Action Taken Note may be sent by States/UTs to MHA by 20th September, 2022.

Encl:As Above

Regards,

Yours Sincerely,

(Chandraker Bharti)

Chief Secretaries / Administrators of all States/UTs

(संजय प्रसाद) प्रमुख सचिव, गृह, गोपन, ... उ०प्र० शासन।

(C.D.P.) 12/9/22

राजेन्द्र प्रसाद
निजी सचिव
प्रमुख सचिव, गृह विभाग
उ० प्र० शासन

S.O 26/9/22

Annexure – I

1. Cyber space is a complex and dynamic environment of interactions among people, software and services supported by world-wide distribution of Information and Communication Technology (ICT) devices and networks. On the one hand, cyber space, which cuts across global boundaries has brought in latest innovative technologies and modern gadgets, while on the other hand, it has inevitably led to increased dependencies on computer resources and internet-based professional, business and social networking.

2. The exponential increase in the number of internet users in India and the rapidly evolving technologies have also brought in its own unique challenges, besides aggravating the existing problems of cyber crime, which is one of the fastest growing forms of transnational and insidious crimes.

3. Cyber crimes are generally understood as malware attack (use of malicious software like ransomware, viruses, trojans, spyware, bots etc.), phishing (capturing sensitive information like username, password, credit/debit card details using fake websites, emails etc.), attacks on critical infrastructure, unauthorized data access (data breach), online financial frauds, crimes against women and children like cyber stalking, child pornography etc. It is also seen that more than 50% of the cyber crimes reported on National Cyber Crime Reporting Portal (https://www.cybercrime.gov.in) relate to online financial frauds.

4. There is a need to increase 'cyber hygiene' for prevention of cyber crimes by inculcating habits of taking basic care of ICT devices at regular intervals. Any lapse in cyber security and/or cyber hygiene has the potential to lead to a cybercrime and both these facets are interlinked and require concurrent action of various stakeholders for the protection of Nation's cyber space and ensuring citizen safety in a holistic manner.

5. **Cyber clubs** may have activities to create awareness for prevention of cyber crimes through workshops, seminars, interactive sessions, quiz competitions, best practices, case studies, creative sessions, poster making, essay writing, etc., at regular intervals in relation to *shutting down the computer properly, Install and maintain up to date anti-virus software on your computer or device, keep your internet browser up-to-date, be alert to unusual computer activity or problems, change your passwords often, beware of links sent via instant messaging and e-mail attachments, don't open emails or attachments from people you don't know, don't become online 'friends' with people you don't know, be very careful about sharing content online, use the strongest privacy setting when you set up your profile, avoid joining unknown Wi-Fi networks and using unsecured Wi-Fi hotspots, do not share any information related to sensitive and financial aspects in social networks, prevention of internet addiction, debit / credit card fraud prevention, email security, mobile phone security, fake jobs, identity theft, ransomware, flagging and reporting of inappropriate content on social media platforms, etc.*

6. In addition to above, the students may also be informed about National Cybercrime Reporting Portal(https://www.cybercrime.gov.in) for reporting all cyber crime and a toll free helpline number 1930 to assist citizens for registration of complaints pertaining to cyber financial frauds. Students may also be informed to follow cyber safety tips on various social media handles of I4C.

*****

2262457/2022/ -1

संख्या 2488 सोलह–प्रा०–शि०-1-2022

संजय प्रसाद,
प्रमुख सचिव।

अर्द्धशा0पत्रसं0-1090/25-8-2022-भा0स0-05/2022
उत्तर प्रदेश शासन,
गृह (गोपन) अनुभाग-8,
लखनऊः दिनांकः 11 नवम्बर, 2022

संख्या-प्रा.नि.8 प्रमुख सचिव / व्यां.शि.कौ.वि. / प्रा.शि. / 2022

प्रिय सुभाष,

कृपया गोपन अनुभाग-8 के पूर्व प्रेषित पत्र दिनांक 29.09.2022 एवं उसके साथ संलग्न अपर सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र सं०-22003/26/2020-आई4सी दिनांक 12.09.2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो विद्यालयों एवं कालेजों के छात्रों को साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बन्ध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही कराने हेतु अनुरोध किया गया था।

2. उपर्युक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने की अपेक्षा हुयी है कि संलग्न पत्र में की गई अपेक्षानुसार विद्यालयों एवं कालेजों के छात्रों को साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बन्ध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने तथा मेधावी छात्रों को स्कालर बैज प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में की गई कृत आवश्यक कार्यवाही का विवरण गोपन विभाग को उपलब्ध नही कराया गया है। अतएव अनुरोध है कि कृपया साइबर जागरूकता के सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा अपेक्षित कार्यवाही पूर्ण कराकर तद्नुसार भारत सरकार को अवगत कराने का कष्ट करें।

सादर

भवदीय

(संजय प्रसाद)

VS (D)(K)(A)
कृ० अविलम्ब कार्यवाही
14.11.22
(सुभाष चंद शर्मा)
प्रमुख सचिव,
प्राविधिक शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा
तथा कौशल विकास विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

1622/VSTE/22
J.S.

14-11-2022
(अन्नावि दिनेशकुमार)
विशेष सचिव,
प्राविधिक शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश, शासन।

1. श्री दीपक कुमार,
प्रमुख सचिव,
माध्यमिक / बेसिक शिक्षा विभाग,
2. श्री सुधीर एम0 बोवडे,
प्रमुख सचिव,
उच्च शिक्षा विभाग,
3. श्री सुभाष चन्द्र शर्मा,
प्रमुख सचिव,
प्राविधिक शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश शासन।

SO-1
14/11/2022
14/11/2022

2233369/2022/ -1

संख्या 2248 सोलह–प्रा०–शि०-1-2022

संख्या: भा0स0–22 / 25–8–2022–भा0स0–05 / 2022

प्रेषक,

आनन्द प्रकाश,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

(1) अपर मुख्य सचिव,
माध्यमिक / बेसिक / उच्च / प्राविधिक शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

(2) अपर पुलिस महानिदेशक,
साइबर अपराध,
उ0प्र0 लखनऊ।

संख्या 3533 प्रमुख सचिव / व्या.शि.कौ.वि. / प्रा.शि. / 2022

गृह (गोपन) अनुभाग–8 लखनऊ : दिनांक : 29 सितम्बर, 2022

विषयः विद्यालयों एवं कालेजों के छात्रों को साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बन्ध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के सम्बन्ध में

VS(K)/(D)
Take n/a
07.10.22

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र सं0–22003 / 26 / 2020–आई4सी दिनांक 12.09.2022 की प्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न पत्र में की गई अपेक्षानुसार विद्यालयों एवं कालेजों के छात्रों को साइबर स्वास्थ्य से जागरूक करने के सम्बन्ध में साइबर क्लब स्थापित करने तथा उनके माध्यम से वर्कशाप, सेमिनार एवं पोस्टर बनाने, नारे लिखने एवं लघु कहानियों इत्यादि के माध्यम से जागरूकता फैलाने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही कराते हुए इस सम्बन्ध में कृत कार्यवाही का विवरण गोपन विभाग को अविलम्ब उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

(सुभाष चन्द्र शर्मा)
प्रमुख सचिव
प्राविधिक शिक्षा व्यावसायिक शिक्षा तथा कौशल विकास विभाग
उत्तर प्रदेश शासन

संलग्नक–यथोपरि।

1276/VSTE/2022
J.S.
07/10/2022

SO-1/2
7/10/2022

भवदीय,

(आनन्द प्रकाश)
अनु सचिव।

andey G.O-20-psk-P

2238369/2022/ -1

आ० स० - 22/25-08-2022 1308 ..../एसीएस/सीएस/2022

CHANDRAKER BHARTI, IAS
Additional Secretary (CIS)

No. 25324 /MS/GI/2022

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
गृह मंत्रालय
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
NORTH BLOCK
NEW DELHI - 110001

DO. No: 22003/26/2020-I4C

12th September, 2022.

Dear Sir / Madam,

As you may be aware, the Ministry of Home Affairs has launched the Indian Cyber Crime Coordination Centre (I4C) to strengthen the capabilities of Law Enforcement Agencies (LEAs) and to improve coordination among the LEAs and other agencies. MHA has also launched the National Cyber Crime Reporting Portal (NCRP) to facilitate online reporting of cyber crime incidents.

2. One of the key actions for preventing cyber crime is to generate sustained awareness among public, especially among the students of schools and colleges on **'Cyber Hygiene'**. It is suggested that, for continuous dissemination of cyber hygiene and mass awareness for prevention of cyber crime, **'Cyber Clubs'** may be set up in all schools and colleges, so as to engage students for regular participation in their learnings and along with taking necessary safeguards in cyber space. The activities in cyber clubs may include organizing workshops, seminars, interactive sessions, creative sessions like poster making / slogan writing / short stories, etc, the details of which are enclosed as **Annexure-I.**

3. Further, it is also proposed that a reward scheme for giving **'Scholar Badge'** to the meritorious students involved in dissemination of information for prevention of cyber crime may also be explored for commencement in all the schools of CBSE and State Boards.

4. Budgetary provisions to carry out the activities in cyber clubs and reward scheme for Scholar Badge may be met from the respective budgets of the States/UTs concerned. Further, States/UTs are also requested to follow social media handles of I4C, MHA, the details of which are enclosed as **Annexure-II** for receiving regular cyber safety tips.

5. I would be grateful if an Action Taken Note may be sent by States/UTs to MHA by 20th September, 2022.

Encl:As Above

Regards,

Yours Sincerely,

(Chandraker Bharti)

Chief Secretaries / Administrators of all States/UTs

(C.D.P.) 12/9/22
राजेन्द्र प्रसाद
निजी सचिव
अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग
उ० प्र० शासन

S.O 26/9/2022

Annexure – I

Cyber space is a complex and dynamic environment of interactions among people, software and services supported by world-wide distribution of Information and Communication Technology (ICT) devices and networks. On the one hand, cyber space, which cuts across global boundaries has brought in latest innovative technologies and modern gadgets, while on the other hand, it has inevitably led to increased dependencies on computer resources and internet-based professional, business and social networking.

2. The exponential increase in the number of internet users in India and the rapidly evolving technologies have also brought in its own unique challenges, besides aggravating the existing problems of cyber crime, which is one of the fastest growing forms of transnational and insidious crimes.

3. Cyber crimes are generally understood as malware attack (use of malicious software like ransomware, viruses, trojans, spyware, bots etc.), phishing (capturing sensitive information like username, password, credit/debit card details using fake websites, emails etc.), attacks on critical infrastructure, unauthorized data access (data breach), online financial frauds, crimes against women and children like cyber stalking, child pornography etc. It is also seen that more than 50% of the cyber crimes reported on National Cyber Crime Reporting Portal (https://www.cybercrime.gov.in) relate to online financial frauds.

4. There is a need to increase 'cyber hygiene' for prevention of cyber crimes by inculcating habits of taking basic care of ICT devices at regular intervals. Any lapse in cyber security and/or cyber hygiene has the potential to lead to a cybercrime and both these facets are interlinked and require concurrent action of various stakeholders for the protection of Nation's cyber space and ensuring citizen safety in a holistic manner.

5. **Cyber clubs** may have activities to create awareness for prevention of cyber crimes through workshops, seminars, interactive sessions, quiz competitions, best practices, case studies, creative sessions, poster making, essay writing, etc., at regular intervals in relation to *shutting down the computer properly, Install and maintain up to date anti-virus software on your computer or device, keep your internet browser up-to-date, be alert to unusual computer activity or problems, change your passwords often, beware of links sent via instant messaging and e-mail attachments, don't open emails or attachments from people you don't know, don't become online 'friends' with people you don't know, be very careful about sharing content online, use the strongest privacy setting when you set up your profile, avoid joining unknown Wi-Fi networks and using unsecured Wi-Fi hotspots, do not share any information related to sensitive and financial aspects in social networks, prevention of internet addiction, debit / credit card fraud prevention, email security, mobile phone security, fake jobs, identity theft, ransomware, flagging and reporting of inappropriate content on social media platforms, etc.*

6. In addition to above, the students may also be informed about National Cybercrime Reporting Portal(https://www.cybercrime.gov.in) for reporting all cyber crime and a toll free helpline number 1930 to assist citizens for registration of complaints pertaining to cyber financial frauds. Students may also be informed to follow cyber safety tips on various social media handles of I4C.

*****